अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ के प्रांगण में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की तीन दिवसीय अंतर्महाविद्यालय तीरंदाजी चैंपियनशिप आज से आरम्भ होकर 10 नवम्बर,2016 तक चलेगी। इस चैंपियनशिप में फरीदाबाद, महेंद्रगढ़, नारनौल, सोनीपत, झज्जर, भिवानी, रोहतक, कलानौर और गुरुग्राम के 20 महाविद्यालयों के 110 छात्र-छात्राएं अपनी-अपनी धनुर्विद्या का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के प्रधान श्री देवेंद्र गुप्ता और कार्यक्रम के अध्यक्ष अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कृष्णकांत गुप्ता थे। श्री देवेंद्र गुप्ता जी ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि धनुर्धारियों को अर्जुन की तरह अपने लक्ष्य और ध्येय पर नजर रखनी चाहिए। सफलता के लिए एकाग्रता और तल्लीनता अनिवार्य है। डॉ कृष्णकांत गुप्ता जी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि खेल भावना से खेलना अधिक महत्वपूर्ण है, जीत व हार की अपेक्षा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का जज्बा ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने सभी खिलाडियों को शुभकामनाएं दीं और बताया कि सभी प्रतिभागियों के खान-पान एवं रहन सहन की व्यवस्था अग्रवाल महाविद्यालय की ओर से की गयी है। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में अग्रवाल महाविद्यालय के स्पोर्ट्स कन्वीनर डॉ के एल कौशिक के साथ साथ श्री विजय सिंगल, श्रीमती भारती मेहता, श्री नन्द किशोर, डॉ जगबीर, श्री बलबीर दहिया और अन्य महाविद्यालयों के खेल प्रशिक्षक मौजूद थे।